वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 13 | शुक्रवार 12 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गर्मी के तेवर तीखे

गर्म हवाओं ने उछाला पारा, पहली बार 40 डिग्री के पार

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश के साथ-साथ राजधानी में भी गर्मी के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। धूप में तेजी व गर्म हवाओं के चलते पारा चढ़ रहा है। इस सीजन में गुरुवार को पहली बार पारा 40 डिग्री को पार दर्ज हुआ। गर्मी सीजन के 72 दिन बाद पारा 40 डिग्री के पार पहुंचा है। अब आने वाले दिनों में और उछाल के आसार है। संभावना जताई जा रही है कि अगले 5 दिन में पारा 45 डिग्री सेल्सियस को छू सकता है। अगर ऐसा हुआ तो मई में अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बन सकता है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रात का सामान्य से कम

गुरुवार को दिन का तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो दिन के सामान्य तापमान से महज 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यानी दिन का तापमान सामान्य तापमान के आसपास ही चल रहा है। जबकि रात का तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य तापमान से 3.0 डिग्री सेल्सियस कम था।

विधानसभा चुनाव: पीएम मोदी 1 दिन में साध गए 27 सीटें, 8 माह में 109 कवर की

जयपुर. कासं

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मेवाड़, सिरोही आदि जगहों पर सभा और कार्यक्रम में शामिल होकर प्रदेश की 27 विधानसभाओं को एक दिन में साधा। चुनावी मोड पर चल रही भाजपा ने पिछले आठ महीनों में पीएम नरेंद्र मोदी के जरिए प्रदेश की 200 में से 109 विधानसभाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से साध लिया है। इन 109 में से 41 सीटें भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनाव में जीती थीं। पीएम के दौरे से मेवाड़ क्षेत्र के उदयपुर, राजसमंद और गोडवाड़ के जालोर, पाली एवं सिरोही तक के लोगों से सभा के जरिए सीधे संवाद किया। इन पांच जिलों की 27 विधानसभा सीटों में से 19 भाजपा के खाते में हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सिरोही, आबूरोड पर उसी जगह जनसभा को संबोधित किया जहां वे 30 सितंबर 2022 को आए थे और रात अधिक होने की वजह से सभा को संबोधित नहीं किया था। इन आठ महीनों के बाद पीएम दोबारा आबूरोड पहुंचे थे। हालांकि इन आठ महीनों के बीच वे मानगढ़ धाम बांसवाड़ा, भीलवाड़ा मालासेरी, दौसा में धनावड़ और अब मेवाड़ होते हुए आबूरोड पहुंचे हैं।

पीएम जहां आए, वह भाजपा के दबदबे वाला क्षेत्र

बांसवाड़ा 1 नवंबर 2022: भाजपा ने पीएम की इस सभा के जरिए बांसवाड़ा और डूंगरपुर को कनेक्ट किया था। इसके जरिए इन 2 जिलों की 9 विधानसभा सीटों को साधा गया। 2018 के विधानसभा चुनाव में इन दोनों जिलों में भाजपा को 3 सीटें मिली थीं।

28 जनवरी मालासेरी डूंगरी, देवनारायण भगवान की जन्म स्थली: गुर्जरों के आराध्य भगवान श्री देवनारायण की जन्म स्थली पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सभा की थी। इसके जरिए पीएम ने अजमेर और भीलवाड़ा जिलों को साधा था। अजमेर की 8 विधानसभाओं में भाजपा के पास 5 सीटें हैं, जबकि भीलवाड़ा की सात विधानसभाओं में से भाजपा के पास चार सीटें हैं।

12 फरवरी पीएम का दौसा का दौरा: पीएम नरेंद्र मोदी ने दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे के पहले हिस्से का उद्घाटन करके पूर्वी राजस्थान को साधा था। इसमें दौसा, टोंक, अलवर, सवाई माधोपुर, करौली, जयपुर, भरतपुर और धौलपुर तक शामिल था। पीएम ने जयपुर वैशाली नगर स्टेडियम में सभा को संबोधित किया था।

गहलोत बोले: थारी-म्हारी करने वाले पार्टी के वफादार नहीं

मैंने हर नेता का विश्वास जीता, धारीवाल ने कहा- गहलोत ने अच्छे-अच्छों को पानी पिलाया

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर इशारों-इशारों में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा- जो कभी पार्टी के प्रति लॉयल नहीं होते वे कभी कामयाब भी नहीं होते। मैंने हमेशा सभी का सम्मान करते हुए सबको साथ लेकर चलने का काम किया, यही कारण रहा कि मुझे पार्टी और सोनिया गांधी ने मौका दिया। सीएम गुरुवार को जयपुर में घाट की गूणी पर पूर्व राज्यपाल स्व. पं. नवल किशोर शर्मा की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा मुझे बाउजी (स्व. पं. नवल किशोर शर्मा) के साथ काम करने

और आगे बढ़ने का अवसर मिला। मैंने कभी बाउजी में सीएम बनने की लालसा नहीं देखी थी। मैंने जब उन्हें राजस्थान स्वर्ण जयंती समारोह समिति का अध्यक्ष बनने के लिए कहा तो उन्होंने स्वीकार कर लिया था। मेरे लिए सबसे बड़ी बात यही थी कि उन्होंने मेरा ऑफर स्वीकार किया था। गहलोत ने इशारे-इशारे में कहा कि मैंने कोशिश की है सबको साथ लेकर चलूं। लोकतंत्र में कामयाब वहीं होता है जो सबको साथ लेकर चलता। जो लोग गुटबाजी पैदा करते हैं, वह कभी कामयाब नहीं होता। जब मैं पहली बार राजस्थान का मुख्यमंत्री बना तब सबको चुन-चुन कर कैबिनेट मंत्री बनाया, चाहे जिस का भी आदमी हो। उन्होंने कहा कि एक कहावत है कि आप बड़ी लाइन खींच दो बजाए दूसरों की लाइन काटे। मैंने भी वहीं काम किया। मैंने पूरी ईमानदारी, निष्ठा, नियम और पार्टी की नीति और सिद्धांतों के साथ काम किया। हर नेता का विश्वास जीता, इसलिए सोनिया गांधी ने मुझे मौका दिया। किसी नेता के लिए पार्टी के प्रति लॉयल होना सबसे ज्यादा जरूरी है। मैंने ऐसे लोगों को देखा है जो थारी-म्हारी करते हैं, वो कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं। ऐसे लोग पार्टी के लिए कभी लॉयल भी नहीं होते और आज के वक्त में लॉयल्टी बहुत जरूरी है।

Photo By Neeraj Jain Photography9414073156

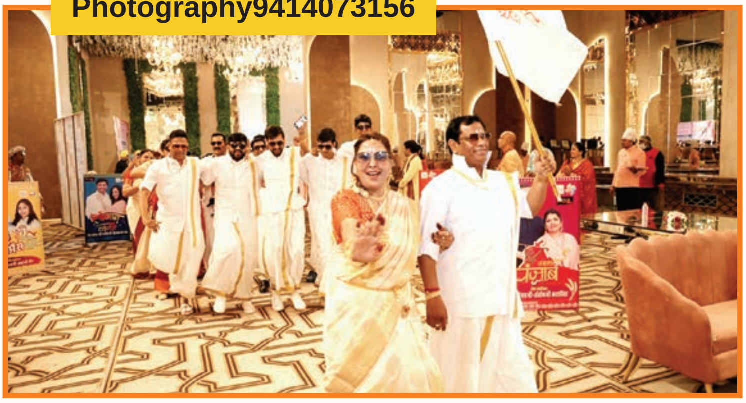

जे एस जी अर्हम का शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जे एस जी अर्हम का शपथ ग्रहण समारोह जामडोली फोर्ट बैंकवेट में आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में जे एस जी आई एफ नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेन्द्र - मंजू सिंघवी, सचिव सिद्धार्थ- वर्षा जैन, जे एस जी आई एफ आई डी सी एस जैन एवं मनीष - किरण झांझरी ने शिरकत की। कार्यकारिणी वर्ष 23-25 के लिए प्रेम - मंजू सिंघवी को अध्यक्ष, कपिल - रूबी कोठारी को उपाध्यक्ष, नीरज - नीतू संचेती को सचिव, अजय - शशी महमवाल को कोषाध्यक्ष, श्रीमती ज्योति - अनुपम बेंगानी को सह सचिव के साथ पूरी कार्यकारिणी को अपने पद की शपथ दिलाई एवं अपने अपने पद पर इंस्टाल किया। इसके साथ ही ग्रुप के द्वारा अंताक्षरी के साथ डांस का कार्यक्रम हम इंडिया वाले भी आयोजित किया गया जिसमे भारत के छः राज्यों रंगीलो राजस्थान, चेन्नई एक्सप्रेस, उड़ता पंजाब, बंगाल टाइगर, गुजरात टाइटन और लखनवी नवाब की टीम बनाकर सभी ग्रुप सदस्यों को छः टीम्स में बांटा गया जिसमें सदस्यों के द्वारा हर राज्य की संस्कृति, वेशभूषा व नृत्य की प्रस्तुति कर अनेकता में एकता का परिचय दिया अंताक्षरी कार्यक्रम की विजेता उड़ता पंजाब टीम रही अंताक्षरी का कार्यक्रम श्रीमती रतिका - मितेन्द्र जैन द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम के अन्त में सचिव नीरज संचेती द्वारा पधारें हुए सभी अथितियों, टीम स्पोंसर्स, टीम लीडर, कार्यक्रम संयोजको एवं सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

खूब सजेगा आदि प्रभु का दरबार

गुलाबी नगरी की पावन धरा पर होगा प्रभु भक्ति का अद्भुत आनंदमय नजारा, चारों ओर बहेगी धर्म की गंगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार 14 मई को सायं 7:30 बजे से अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् हेरीटेज संभाग द्वारा गुलाबी नगरी की पावन धरा पर स्थित अतिशय कारी प्राचीन श्री दि जैन मंदिर पार्श्वनाथ जी सोनियान हवा महल के निकट बड़ी चौपड़ में सकल दि जैन समाज के श्रावक श्राविकाओं द्वारा रिद्धि सिद्धि मंत्रों द्वारा 48 दीपकों से संगीतमय श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान एवं 108 दीपकों से महाआरती का भव्य विशाल आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक विनोद वृत्तिका पापडीवाल ने अवगत कराया सायं 7:30 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत श्री महावीर दि जैन महिला मण्डल कालाडेरा द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुति द्वारा की जायेगी। इसके पश्चात मुख्य दीप प्रज्वलनकर्ता राजकुमार अरूणा सेठी के दीप प्रज्वलित कर श्री भक्तामर दीप अनुष्ठान का शुभारंभ किया जायेगा। जिसमें प्रख्यात संगीतकार नरेन्द्र कुमार जैन अपनी अनूठी प्रस्तुति देंगे । अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन, मंत्री नरेश छाबड़ा के अनुसार कार्यक्रम में उपस्थित सभी धार्मिक बंधुओ को दीप प्रज्वलन का शुभ अवसर प्राप्त होगा एवं लक्की ड्रा का आयोजन भी रखा गया है। जिसमें कार्यक्रम में पधारने वाले सभी साधर्मी बंधुओ का लक्की ड्रा में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार दिये जायेंगे। साथ ही कार्यक्रम में पधारने वाले सभी धर्मनुरागी बंधुओ का दुपट्टा पहनाकर स्वागत सम्मान किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक विनोद वृत्तिका पापडीवाल ने अवगत कराया कि सायं 7:30 बजे से कार्यक्रम की शुरूआत श्री महावीर दि जैन महिला मण्डल कालाडेरा द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुति द्वारा की जायेगी।

रुकमणी देवी ने अपने पति की स्मृति में वाटर कूलर लगवाया

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया।

सीकर। तिवाड़ी परिवार कुदन की तरफ से स्वर्गीय रामकुमार जी तिवाड़ी उर्फ दादा की याद में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रुकमणी देवी व उनके पुत्र कैलाश, महेन्द्र ,अरविंद तिवाड़ी ने अपने निवास स्थान रुकमणी सदन पिपराली रोड़ स्थित सीकर में जल मंदिर का निर्माण कराके उसमें वाटर कूलर व वाटर फिल्टर लगाकार मोहल्ले वासियों को समर्पित किया है। जिससे मोहल्ले व राहगीरों को इस भयंकर गर्मी में ठंडा पानी मिल सके। कार्यक्रम में पुर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष जी महरिया, पुर्व विधायक फतेहपुर नंदकिशोर महरिया, पुर्व विधायक धोद गोरधन वर्मा, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, दौलतपुरा सरपंच दिनेश आर्य कुदन ,सरपंच प्रतिनिधि सुलतान सुंडा तथा समस्त तिवाड़ी परिवार व गणमान्य नागरिक व आसपास के मोहल्ले वासी उपस्थित रहे।

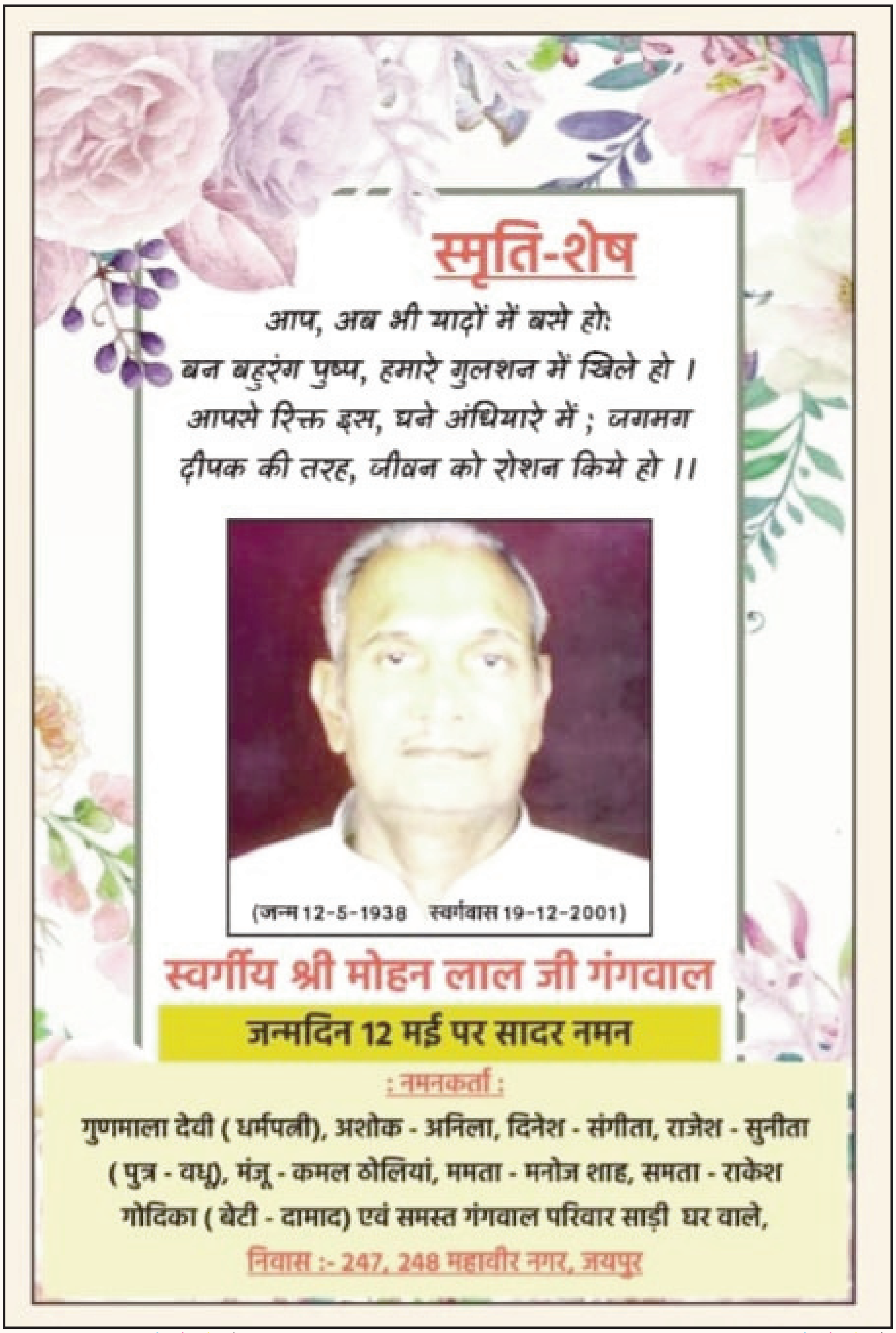

वेद ज्ञान

श्रवण का महत्व

आदिकाल से ही या यूं कहिए कि जब से सृष्टि की रचना हुई प्राणी भांति-भांति की ध्वनियों व स्वरों से परिचित हुआ। बहती नदी की कलकल, झरनों की ध्वनि, पक्षियों का कलरव, वायु व वर्षा के जल के स्पर्श से झूमते फूल-पत्तियों की मनमोहक ध्वनि को सुनने भर से प्राणी कितना कुछ सीखता रहा। ऐसे प्राकृतिक नाद के श्रवण मात्र से मनुष्य निरंतर जिज्ञासु होता गया और फिर वाणी की उत्पत्ति और विकास हुआ। पैदा होते ही बालक तीव्र ध्वनि से रोते हुए अपने अस्तित्व के होने का प्रमाण देता है। फिर उसके स्वर, उसकी वाणी और भाषा का विकास होना प्रारंभ होता है। मनुष्य की वाणी, वाक्पटुता उसके वातावरण पर निर्भर करती है। यदि यह सत्य है तो उतना सत्य यह भी है कि श्रवण करने की पटुता बोलने की क्षमता से कहीं अधिक आवश्यक और प्रभावशाली होती है। वे दिन लद गए जब बच्चे बाल्यावस्था से ही अपनी नानी-दादी की कहनियां सुन-सुन कर बड़े हुआ करते थे। अब तो साल भर का बच्चा सुनना समझना प्रारंभ कर देता है, मोबाइल की ध्वनियों को। आज न तो किसी के पास समय है, और न श्रवण करने के प्रति आस्था। एकाग्रता से सुनना अपने में एक योग है जिसे निरंतर प्रखर करने के लिए अभ्यास की आवश्यकता पड़ती है। दुख तो यह है कि वर्तमान परिवेश में हर कोई स्वयं को ही अभिव्यक्त करना चाहता है। वह बस इस भ्रम में जीने लगता है कि केवल उसका वक्तव्य ही सत्यता के निकट है, बाकी सब मानो अर्थहीन। आज का यथार्थ यही है कि कोई किसी को नहीं सुनता, फिर वो चाहे परिवार हो, विद्यास्थल हों, राजनीतिक गलियारे हों या फिर मीडिया। ऐसा प्रतीत होता है कि केवल अपनी अपनी ढपली और अपना-अपना राग ही श्रवण-योग्य है। यह विडंबना नहीं तो क्या है कि माता-पिता, गुरुजनों की शिक्षा व सीख का श्रवण नितांत रूढ़िवादी माने जाने लगे हैं। इतिहास गवाह है कि प्रभावशाली व्यक्ति तो गिनती के होते है, परंतु उनको श्रवण करने वाले उनके अनुयायी अनगिनत।

संपादकीय

डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक की तैयारी

भारतीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लगा देनी चाहिए। महानगरों में बढ़ते वायु प्रदूषण और उससे पैदा होने वाली परेशानियों के मद्देनजर वाहनों के संचालन को नियंत्रित करने की सलाह लंबे समय से दी जाती रही है। अब तो जलवायु संकट से पार पाने के लिए तमाम देशों पर कार्बन उत्सर्जन में कटौती का दबाव है। इसलिए भी पेट्रोल-डीजल जेसे जीवाश्म ईंधन की जगह बिजली और सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहन देने पर जोर है। ऐसे में भारतीय पेट्रोलियम मंत्रालय ने सुझाव दिया है कि दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लगा देनी चाहिए। अगले बारह सालों में आंतरिक दहन वाले इंजन से चलने वाले दुपहिया और तिपहिया वाहनों को भी बंद कर देना चाहिए। अगले दस सालों में शहरी क्षेत्रों में एक भी डीजल चालित वाहन नहीं होना चाहिए। हालांकि मंत्रालय

ने वाहनों के संचालन से संबंधित अपनी यह रिपोर्ट फरवरी में ही सौंप दी थी। अब इन सुझावों पर सरकार किस तरह अमल करती है, देखने की बात है। यह छिपी बात नहीं है कि डीजल से चलने वाले भारी वाहनों की वजह से शहरों की आबोहवा सबसे अधिक खराब होती है। उसके बाद दुपहिया वाहन वायु प्रदूषण फैलाने का बड़ा जरिया साबित होते हैं। अगर इन पर नियंत्रण कर लिया गया, तो निस्संदेह काफी हद तक कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई जा सकती है। शहरों में डीजल से चलने वाले निजी वाहनों पर रोक लगाने का सुझाव पुराना है। मगर हकीकत यह है कि आजकल जिस तरह बड़े वाहनों का आकर्षण बढ़ रहा है, उसमें डीजल से चलने वाली गाड़ियों का निर्माण भारी संख्या में होने लगा है। फिर सार्वजनिक वाहनों के रूप में बसों और माल ढुलाई के लिए उपयोग होने वाले भारी ट्रकों की वजह से भी वायु प्रदूषण की दर पर काबू पाना कठिन बना हुआ है। हालांकि महानगरों में मालवाहक वाहनों का प्रवेश निश्चित समय के लिए ही खुला रखा जाता है, फिर बाहर से आने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश करने के बजाय बाहरी मार्गों से निकाल दिया जाता है, फिर भी वायु गुणवत्ता में सुधार दर्ज नहीं हो पाता। भारत के कुछ शहर दुनिया के कुछ सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हैं। ऐसे में विद्युत चालित वाहनों के चलन पर जोर दिया जा रहा है। पेट्रोल और डीजल में एथेनाल आदि मिला कर कार्बन उत्सर्जन पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इन उपायों का भी कोई उल्लेखनीय प्रभाव नजर नहीं आता। वायु गुणवत्ता में सुधार बड़ी चुनौती है और इससे पार पाने के लिए कुछ कठोर कदम उठाने को बुरा नहीं कहा जा सकता। मगर पहले वैकल्पिक व्यवस्था तैयार करना बहुत जरूरी है। आजकल वाहन हर किसी की जरूरत बन चुके हैं। दुपहिया वाहन सामान्य आयवर्ग के लोगों के लिए जरूरी साधन हैं। ऐसे में उन्हें एकदम से खत्म करना बड़ी असुविधा पैदा कर सकता है। हालांकि बैट्री से चलने वाले दुपहिया वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है, मगर अभी उनके लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं और उनका उपयोग उस तरह लंबी दूरी के लिए नहीं किया जा सकता, जिस तरह जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों का किया जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सत्ता की चाह ...

प्रचार समाप्त होने के साथ आई यह खबर फिर निराश करती है कि निर्वाचन आयोग ने इस दौरान कुल तीन सौ पचहत्तर करोड़ रुपए की नगदी जब्त की है। दूसरी ओर, प्रवर्तन निदेशालय ने राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद दो सौ अठासी करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की। यह स्थिति तब है जब पिछले कुछ चुनावों से प्रलोभन से मुक्त चुनावों पर काफी जोर दिया जाता और इसे सभी पार्टियों का समर्थन मिलता रहा है। मगर हकीकत यह है कि जिस पार्टी के पास जितनी आर्थिक सामर्थ्य है, वह उसके मुताबिक मतदाताओं को लुभाने के लिए अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आयोग की ओर से वहां चुनावी खर्च की निगरानी के लिए लगातार कोशिशें की गईं, लेकिन खुद आयोग की कार्रवाई में जो तस्वीर उभरी है, उससे पता चलता है कि चुनावी शुचिता की बातों का उन राजनीतिक दलों के लिए कितना महत्त्व होता है, जो इससे संबंधित मांग करती या फिर सवाल उठाती हैं। गौरतलब है कि चुनावी खर्च से लेकर मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए पैसे खर्च करने पर लगाम लगाने के लिए हर स्तर पर कदम उठाने की बात होती रही है। कर्नाटक में इस चुनाव के मद्देनजर कड़ी और व्यापक निगरानी, पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय के बीच हर स्तर पर जांच की व्यवस्था की गई। मगर इस दौरान जिस पैमाने पर नगदी, शराब, मादक पदार्थ, कीमती धातुएं और करोड़ों रुपए की अन्य उपहार की चीजें बरामद की गईं, वह अलग तस्वीर उजागर करती हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2018 में राज्य में हुए विधानसभा चुनावों के मुकाबले इस बार की बरामदगी में साढ़े चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। सवाल है कि चुनावों में इस प्रवृत्ति पर लंबे समय से रोकथाम की कोशिशों और सख्ती के बावजूद तस्वीर पहले के मुकाबले और बिगड़ती ही क्यों जा रही है। आखिर क्या वजह है कि चुनाव आयोग अपने नियमन को व्यवहार में लागू करने में नाकाम हो रहा है और दूसरी ओर राजनीतिक पार्टियां दिखाने को तो ईमानदारी और नैतिकता का बखान करती हैं, लेकिन चुनावों के दौरान अवांछित तरीके से मतदाताओं को रिझाने के लिए कोई भी हथकंडा अपनाने से उन्हें गुरेज नहीं होता। हाल के वर्षों में सभी दलों ने चुनावों में मुफ्त सेवाएं, सुविधाएं और उपहार मुहैया कराने के वादों और बेलगाम खर्चों को लेकर तीखे सवाल उठाए हैं। इस तरह मतदाताओं को लालच देकर आकर्षित करने और उनका वोट हासिल करने की प्रवृत्ति का समर्थन कोई भी पार्टी नहीं करती। लेकिन अफसोस कि शायद ही कोई राजनीतिक पार्टी चुनाव प्रचार में अपनी ओर से की गई ऐसी बातों को याद रखती है। सवाल है कि कर्नाटक में अगर पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार अवैध लेनदेन के लिए पैसे, मादक पदार्थ और अन्य उपहार की वस्तुओं की बरामदगी में साढ़े चार गुना की बढ़ोतरी हुई है, तो इसकी जवाबदेही किस-किस पर जाती है? यह क्यों बढ़ती ही जा रही है? इस मसले पर सवाल उठाने और खुद को पाक-साफ बताने वाली पार्टियों को क्या अपनी ऐसी गतिविधियों पर कभी शर्मिंदगी होती है? आखिर ऐसा क्यों है कि निर्वाचन आयोग और संबंधित महकमे चुनावों में इस तरह की अवांछित, अनैतिक और गैरकानूनी गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा पा रहे?

संगिनी विजय ने अनूठे अंदाज में सेलिब्रेट किया मदर्स डे

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मदर्स डे के खास मौके पर जैन सोशल ग्रुप संगिनी विजय की ओर से सुखाड़िया सर्कल स्थित ग्लोबल अड्डा पर अनोखे अंदाज में मदर्स डे सेलिब्रेट किया गया। संस्थापक अध्यक्ष मधु खमेसरा ने बताया कि इस सेलिब्रेशन को लतिका जैन, वेलिका जैन, ज्योति बोहरा, मीना छाजेड़, रेखा जैन और अमिता पोरवाल ने एक मार्मिक नाट्य प्रस्तुति देकर यादगार बना दिया। नाटिका में बेहद प्रभावी ढंग से दिखाया कि एक बालिका जन्म से मृत्यु तक कई रिश्तों के सामंजस्य निभाते हुए बेटी, बहिन, प्रेयसी, पत्नी और माँ के रूप में कितना कुछ सहती और निभाती है। आयोजन की शुरूआत में अध्यक्ष निर्मला कोठारी ने मुख्य अतिथि कौशल्या कोठारी का स्वागत किया। इसके बाद पचास से अधिक संगिनी बहनों ने मदर्स डे स्पेशल हाउजी गेम खेलकर पुरस्कार भी जीते। सचिव मीना लोढा ने आयोजन की सफलता के लिए समस्त कार्यकारिणी का आभार जताया।

रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

श्री श्री रविशंकर के जन्मदिन पर दो दिन बहेगी सेवा, साधना और सत्संग की त्रिवेणी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

आर्ट ऑफ लिविंग उदयपुर चेप्टर की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी 13 व 14 मई को गुरुदेव का जन्मदिन साधना, सेवा और सत्संग की त्रिवेणी के साथ मनाया जाएगा। प्रशिक्षक प्रवीण मेहता ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि इस क्रम में 13 मई को सुबह साढ़े छः बजे साधकों के लिए गुरुपूजा और महासुदर्शन क्रिया का आयोजन शक्तिनगर स्थित कम्युनिटी हाल पर रखा गया है। दिन में विभिन सेवा कार्य किये जायेंगे और दूसरे दिन 14 मई को सायं 7 बजे गणगौर घाट पर ज्ञान, ध्यान और भजन की अनुपम संध्या दिव्य सत्संग आयोजित हो। बता दें, शहर में पिछले 23 वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग की विभिन्न कार्यशालाएं चल रही है। प्रेस वार्ता में सत्संग आयोजन टीम के किशन सोनी, राजकुमार सोनी, अजय सोनी, विपिन सोनी और आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक प्रवीण मेहता, अनमोल सिंह, नीरा तिवारी, रमेश तलदार, मुकेश साधवानी सहित अन्य भक्तजन उपस्थित थे। **रिपोर्ट : दिनेश शर्मा, अर्जेंट स्टूडियो**

सूत्रधार कार्यशाला में तैयार हो रही नई पीढ़ी

पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र का सात दिवसीय आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। बागोर की हवेली में चल रहे सात दिवसीय सूत्रधार कार्यशाला में युवा प्रतिभागी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य- मंच संचालन में रूचि रखने वाली युवा प्रतिभाओं को तराशना है। इसी प्रयोजन से मंच संचालन के कई गुणीजन इस कला के विविध पक्षों का व्यावहारिक ज्ञान दे रहे हैं। ताकि उत्तम और संजीदा उद्घोषकों की अगली पीढी तैयार हो सके। इसी क्रम में गुरुवार को आकाशवाणी उदयपुर के कार्यक्रम प्रमुख और अन्तराष्ट्रीय प्रसारक महेन्द्रसिंह लालस ने ह्यभाषाई शुद्धता कितनी जरुरीह्न विषय पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कई बार बोलने में आंचलिकता का प्रभाव पड़ता है इसलिए उद्घोषक नहीं चाहते भी उच्चारण में अशुद्धियां करते हैं। उन्होंने सत्र में सभी संभागियों से कुछ खास शब्दों के सही उच्चारण करवा कर नुक्ता लगाने के साथ बोलने की कला साझा की। दिन के दूसरे सत्र में जयपुर से आये रंग निर्देशक राजीव आचार्य ने वीडियो क्लिपिंग्स दिखाते हुए स्क्रिप्ट लेखन और उद्घोषणा के उतार-चढ़ाव के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही लोक कलाओं के प्रस्तुतीकरण में उद्घोषकों के सम्मुख उपस्थित चुनौतियों के बारे में आगाह भी किया। सूत्रधार कार्यक्रम से जुड़े वरिष्ठ रंगकर्मी विलास जानवे ने बताया कि शुक्रवार को ख्यात साहित्यकार प्रो. मंजू चतुर्वेदी ''भाषा और उच्चारण'' पर व्याख्यान देंगी वहीं वरिष्ठ रंगकर्मी एवं संगीतकार दीपक जोशी अगले सत्र में 'संगीत का ज्ञान मंच संचालन के लिए कितना जरूरी' विषय पर अपना व्यावहारिक अनुभव साझा करेंगे। रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939

लाडनूं के जैविभा विश्वविद्यालय व कुलपति को मिले विश्वस्तरीय अवाड्‌र्स

जैविभा संस्थान को 'बेस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी' अवार्ड और संस्थान के कुलपति प्रो. दूगड़ को 'ग्लोबल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड'

लाडनूं. शाबाश इंडिया

विभिन्न श्रेणियों में मूल्यांकन के माध्यम से 'अवार्ड' प्रदान करने वाली देश की प्राचीन संस्था एकेएस वर्ल्डवाइड प्रा. लि. द्वारा दुबई में आयोजित ग्लोबल एजुकेशन समिट-2023 में जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) को बेहतरीन पाठ्यक्रमों का निर्माण करने एवं उन्हें लागू करने हेतु ''बेस्ट डीम्ड यूनिवर्सिटी'' श्रेणी का ''एक्सीलेंस इन क्यूरिकुलर एस्पेक्टस'' अवार्ड प्रदान किया गया। इसी कार्यक्रम में संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ को शिक्षा के विकास हेतु उनके द्वारा किये गए अप्रतिम कार्यों के लिए 'एक्सीलेंट इन लीडरशिप श्रेणी' का 'ग्लोबल लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें गत 30 अप्रेल को दुबई में आयोजित ग्लोबल एजुकेशन सम्मिट एंड अवार्ड कार्यक्रम 2023 में प्रदान किया गया। इस वैश्विक शिक्षा पुरस्कार के लिए 57 देशों से 985 नामांकन प्राप्त हुए थे, जिनके मूल्यांकन के पश्चात अवार्ड प्रदान करने वाली संस्था ने अवार्ड हेतु जैन विश्वभारती संस्थान एवं संस्थान के माननीय कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ के नामों का चयन किया। इस वैश्विक शिक्षा शिखर सम्मेलन के सम्मानित अतिथि दुबई में क्रोएशिया गणराज्य के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत जैस्मीन डेल्विक एवं विशिष्ट अतिथि अबू धाबी में हंगरी के दूतावास के मिशन उपप्रमुख लेज्लो मार्टन और दुबई में अजरबैजान गणराज्य के जनरल कांसुलेट के उप-परिषद खनलार पशाजदे थे।

संकलनः शरद जैन सुधांसु लाडनूं।

नशा मुक्त समाज का संदेश दिया नुक्कड़ नाटक से

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान एडिकशन प्रिवेनेशन प्रोग्राम के सौजन्य से मैडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट व राजस्थान सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ सोशल जस्टिक व इम्प्रूवमेंट के सामूहिक प्रयासों से जयपुर के जवाहर कला केंद्र के रंगायन थियेटर में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गांधी नगर के विद्यार्थियों द्वारा वरिष्ठ अध्यापिका संगीता आर्या के निर्देशन में स्वस्थ व नशा मुक्त समाज के लिए बच्चों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से स्पार्क सेलिब्रेशन प्रोग्राम के अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक खेला गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डा.अर्चना शर्मा , डा.साधना शर्मा व महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गांधी नगर की प्राचार्य कुमुद शर्मा तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर अन्य स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा भी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि

श्री केसरी चंद जी पाटनी

पुत्र स्व श्री गेंदी लाल जी पाटनी

का निधन 10.05.2023 को हो गया। तीये की बैठक 12.05.2023 को सुबह 8:30 बजे भट्टारकजी नशियाँ में होगी। इसके पश्चात घड़ियो का दस्तूर होगा।

: शोकाकुल :

शकुंतला धर्मपत्नी स्व.अमोलक चंद जी, सुलोचना धर्मपत्नी स्व. नरेश, पूनम चंद-पदमा देवी, महेश-ज्योत्स्ना, विजय-मंजू **(पुत्र-पुत्रवधु)**, राजेश-रानी, शैलेश-रुपा, मनीष-सोनाली, अनुज-विमलेश **(भतीजे)**, अमित-आशा, पंकज- प्रिया, रितेश-पूजा, रचित, प्रखर-शिवानी, भव्य, श्रेयन्न, चयन, प्रिंस **(पौत्र-पौत्रवधु)**, प्रथम, नव्या, सुहानी, वान्या **(पड़पौत्र-पौत्री)** एवं समस्त पाटनी परिवार, मारोठ वाले।

ससुरालपक्ष : पदम चंद प्रेम प्रकाश प्रमोद बैद।

धर्म के प्रति श्रद्धा मजबूत है तो सिर्फ संयमी के आगे ही सिर झुकेगा और विवेक से काम करोगे तो आचरण शुद्ध बनेगा : आचार्य विवेक सागर महाराज

सीकर. शाबाश इंडिया

देवीपुरा स्थित चन्द्रप्रभु भवन में विराजित छाणी परंपरा के सप्तम पट्टाधीश प. पू. आचार्य श्री विवेक सागर महाराज ने गुरुवार को प्रातः धर्म सभा सम्बोधित करते हुए अपनी मृदु वाणी में बताया कि जीवन में सुख और दुःख कर्मों के अनुसार ही प्राप्त होते हैं। पुण्य कर्मों के फलस्वरूप सुख का अनुभव होता हैं और पाप कर्मों के परिणाम स्वरूप दुःख भोगना पड़ता है । जीवन में दुःख-दारिद्र व परेशानियां बढ़ रही है तो समझ ले कि ये किसी पाप का फल भोग रहे है। पुण्य का जो फल आपके सामने है वो आत्म सन्तुष्टि है, पाप का प्रत्यक्ष फल सन्ताप है। आप चाहते हो पुण्य मिले तो पुण्य के कार्य को करो। पाप के फल को भुगतना कोई नहीं चाहता पर कार्य गलत करते है, पाप की ही करते हैं ।आचार्य श्री ने बताया कि धर्म की राह ही सर्वोत्तम है इसलिए धर्म का सम्मान करो, उसकी कद्र करो। जिनशासन में जन्म हुआ तो जिनेन्द्र भगवान की आराधना कैसे करोगे यह भी आना चाहिए। इसके बिना श्रावक धर्म का कैसे पालन करोगे? पहले मुनिराज जंगल में निवास करते थे तो श्रावक की भूमिका कम होती थी, लेकिन वर्तमान में धर्मशाला में ठहरते हैं तो श्रावको की भूमिका ज्यादा हो गई। श्रावक धर्म का पहला अक्षर श्रा हैं जिसके अनुसार श्रद्धान मजबूत है तो सिर्फ संयमी के सामने ही सिर झुकेगा इसके अलावा कहीं भी सिर नहीं झुकेगा व का अर्थ विवेक है जब विवेक से काम करोगे तब आचरण शुद्ध बनेगा। परम सौभाग्य है कि इस पंचम काल में भी हमें देव, शास्त्र, गुरु का सानिध्य प्राप्त हो रहा है फिर भी पुण्य से यदि जीवन नहीं भर पाए तो कुछ भी नहीं कर पाए। मानव जीवन में मन अनुकूल रख प्रतिकूलता को दूर हटाना होगा। विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रातःकाल मन्दिर जी मे गुरुदेव के सानिध्य में जिनाभिषेक हुए, तत्पश्चात गुरुदेव के मुखारबिंद से शांतिधारा बोली गयी। समाज के रामेश्वर पाटनी व नरेश कालिका ने बताया कि शांतिधारा, पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट सहित समस्त मांगलिक क्रियाओं का सौभाग्य भागचंद, प्रकाशचंद, सुभाषचंद, पंकज कुमार , सुनील कुमार, सुमित कुमार वारिस कुमार छाबड़ा दूधवा वाले परिवार को प्राप्त हुआ। धर्म सभा मे सैकड़ो धर्मावलम्बी उपस्थित थे। प्रवचनों के पश्चात समस्त संघ की आहारचर्या हुई, दोपहर को स्वाध्याय व सांयकाल आनंद यात्रा हुई।

आदिनाथ चालीसा एवं भक्तामर का पाठ किया

रिद्धि मंत्रों के साथ दीप प्रज्वलन किए

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से पुरानी टोंक महिला मंडल आदिनाथ शुभकामना परिवार की ओर से गुरुवार को आदिनाथ चालीसा पाठ एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। शुभकामना परिवार की संयोजक मधु लुहाड़िया ने बताया कि शुभकामना परिवार की ओर से गुरुवार को ज्येष्ठ कृष्ण षष्ठी के शुभ अवसर पर भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया सोनी भवन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम आदिनाथ भगवान एवं स्वस्ति भूषण माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया एवम मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात भक्तामर के 48 ऋद्धि मंत्रों द्वारा उच्चारण करते हुए 48 दीप प्रज्वलित किए गए भक्ति भाव के साथ आदिनाथ चालीसा का पठन करते हुए भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए स्वस्ति भूषण माताजी के आशीर्वाद से गठित आदिनाथ शुभकामना परिवार के 20 माह पूर्ण होने पर माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विनतीया प्रस्तुत की गई। संजू जैन ने बताया कि 20 माह पूर्व गठित आदिनाथ शुभकामना परिवार के सदस्यों के द्वारा प्रतिमाह अलग-अलग सदस्यों के घर पर भक्तामर के पाठ का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी सदस्य हर्षोल्लास एवं भक्ति भाव के साथ भाग लेते हैं। 20 माह पूर्ण होने के उपलक्ष में स्वस्ति भूषण माताजी के चित्र के समक्ष घी के बीस दीपक जला कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं आगामी दिनों में माता जी के दर्शन करने के लिए सभी सदस्य मुनीसुव्रत नाथ अतिशय क्षेत्र स्वस्ति धाम जहाजपुर जाने का कार्यक्रम बनाया। आदिनाथ भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर चंद्रकला, संतरा, संजू, इंदिरा, मंजू, अनिता, पिंकी, उषा, सोनिया आदि मौजूद थी।

त्रय कल्याणक महोत्सव 18 को मनाया जाएगा

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में 18 तारीख को भगवान शांतिनाथ का त्रय कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यार चंद जैन ने बताया कि जैन धर्म के 16वें तीर्थंकर भगवान

शांतिनाथ का त्रय कल्याणक महोत्सव 18 तारीख को मनाया जाएगा जिसके अंतर्गत भगवान शांतिनाथ का जन्म,तप एवं मोक्ष कल्याणक मनाया जाएगा। इस दिन अतिशय क्षेत्र पर प्रातः भगवान शांतिनाथ का अभिषेक शांतिधारा नित्य नियम पूजा नवग्रह पूजा शांतिनाथ भगवान की पूजा शीतलनाथ भगवान की पूजा पार्श्वनाथ भगवान की पूजा के पश्चात प्रातः 9:15 बजे निर्वाण कांड का वाचन करते हुए निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा पधारे हुए सभी श्रद्धालुओं के लिए लड्डू मंदिर समिति की ओर से उपलब्ध कराए जाएंगे।

तीये की बैठक

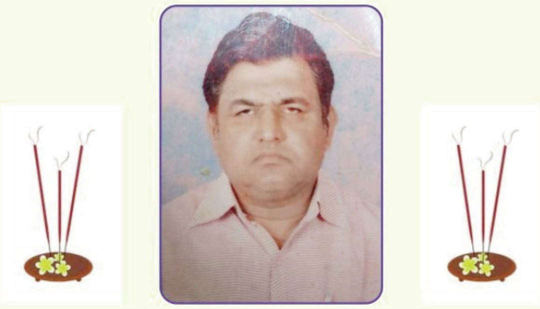

अत्यन्त दुःख के सूचित करना पड़ रहा है कि

मेरे सुपुत्र **देवेन्द्र शर्मा**

का आकस्मिक निधन दिनांक 10.5.23 को हो गया हैं।

उनकी तीये की बैठक दिनांक 12.5.23 को सांय 5 से 6 रखी गई है।

स्थान-पालीवाल धर्मशाला, गली no 6,आदर्श बाजार, बरकत कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

श्रद्धावनत:

विजय शर्मा (पिता),शकुन्तला (माता), राजेन्द्र, ओमप्रकाश(चाचा), मंजू(पत्नी),प्रभव (पुत्र),ललित-सुनीता (भाई-भाभी),प्रभा-हरीश (बहन-बहनोई) , समस्त स्वजन व मित्र

मो. 9982117755, 9414046694

तीये की बैठक

हमारी प्रिय माताजी **विमला देवी जैन शाह** धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री सुनीत कुमार जैन का आकस्मिक निधन 10 मई 2023 को हो गया है। तीये की बैठक शुक्रवार 12 मई 2023 को प्रातः 9:00 बजे कीर्ति नगर, टोंक रोड़ जैन मंदिर में होगी।

शोकाकुल: महावीर, राजेंद्र, श्रवण, बाबूलाल, सुरेश (देवर) संजय-ममता, राजेश-अंशु (पुत्र-पुत्र वधू) संचय,अरहा (पौत्र) नरेंद्र, जिनेंद्र (भतीजे) मुन्नी देवी, रतन लाल (ननंद, नंदोई) कल्पना-अजय, उर्मिला-बाबूलाल, मंजू-मुकेश (पुत्री-दामाद) व शाह परिवार बौंली वाले

पीहर पक्ष: ओमप्रकाश, रमेशचंद, अरुणकुमार, जिनेश गोधा टोंक वाले। मोबाइल: 93094-51819

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com